हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 5, अंकः 324, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 2 मई, 2021 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

हाईकोर्ट की केंद्र को फटकार : दिल्ली को हर हाल में दें उसकी 'ऑक्सीजन'

नई दिल्ली। दिल्ली के अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति, बेड और दवाओं की कमी को लेकर हाईकोर्ट में बहस जारी है। ऑक्सीजन की कमी के चलते शनिवार को बत्रा हॉस्पिटल में डॉक्टर समेत 8 मरीजों की मौत हो गई। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि पानी सिर से ऊपर चला गया है। केंद्र सरकार को आदेश देते हुए कहा कि दिल्ली को आज हर हाल में उसके कोटे की ऑक्सीजन दें।

ऑक्सीजन की कमी से हुई मौत पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये खबर बहुत ही ज्यादा पीड़ादायी है। उन्होंने कहा कि सही समय पर ऑक्सीजन देकर इनकी जान बच सकती थी। दिल्ली को उसके कोटे की ऑक्सीजन दी जाए। अपने लोगों की इस तरह होतीं मौतें अब और नहीं देखी जाती। दिल्ली को 976 टन ऑक्सीजन चाहिए, लेकिन कल केवल 312 टन ऑक्सीजन दी गई। इतनी कम ऑक्सीजन में दिल्ली कैसे सांस ले?

वहीं इससे पहले बत्रा अस्पताल ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि वह सुबह से ही ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहा था। उसके पास ऑक्सीजन का पूरा स्टॉक खत्म हो गया था। जिसके चलते कई लोगों की जान चली गई, जिसमें उसके डॉक्टर भी

शामिल हैं। हालांकि, कुछ समय पहले ऑक्सीजन टैंकर पहुंचा, लेकित तब तक कई लोगों की मौत हो गई थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अस्पताल को ऑक्सीजन जनरेटर स्थापित करने का सुझाव दिया। बत्रा अस्पताल के अधिकारियों ने बताया था कि आज सुबह 6 बजे से ही ऑक्सीजन के संकट से जूझ रहे थे। अस्पताल में 307 मरीज भर्ती थे, जिनमें से 230 को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। वहीं दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और उनकी असफलता को देखते हुए कोर्ट आग बबूला हो गया और कहा कि अगर स्थिति आपसे संभल नहीं रही थी तो सेना की मांग करनी चाहिए थी। हाईकोर्ट ने कहा कि इस वक्त हर कोई तनाव में हैं, यहां तक कि हम खुद तनाव में हैं।

हरियाणा नंबर वाले चार ऑक्सीजन टैंकर दिल्ली को करें आवंटित- हाईकोर्ट ने केंद्र को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे हरियाणा नंबर वाले चार ऑक्सीजन टैंकर दिल्ली को आवंटित करें। राजस्थान में हाल ही में हिरासत में लिए गए टैंकर को तुरंत रिहा करे। कोर्ट ने केंद्र को इस बारे में रिपोर्ट दाखिल करने को भी कहा है।

दिल्ली में जल्द जुड़ेंगे 15000 और बेड- बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए सशस्त्र बलों की मदद लेने के सुझावों पर दिल्ली सरकार के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि इस प्रक्रिया में हम उच्चतम स्तर पर हैं। हमारी सरकार इसे देख रही है और जल्द ही दिल्ली में 15000 और बेड जुड़ जाएंगे। इसके बाद कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि आपने सेना की मांग क्यों नहीं की। अगर आप सेना से अनुरोध करते तो वे अपने स्तर पर काम करते। उनका अपना बुनियादी ढांचा है।

आपूर्तिकताओं के खिलाफ जारी करें अवमानना नोटिस- दिल्ली सरकार के अधिवक्ता राहुल मेहरा ने हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि वे सहमत राशि के 40 प्रतिशत से कम की आपूर्ति करने के लिए आपूर्तिकताओं के खिलाफ अवमानना की नोटिस जारी करें। उन्होंने कहा कि आपूर्तिकताओं में जब तक डर नहीं पैदा कर देते, तब तक वे शहर में लूट मचाते रहेंगे। हाईकोर्ट ने एमिकस क्यूरी को आपूर्तिकताओं से बात करने के लिए कहा है। हाईकोर्ट ने कहा कि अस्पतालों में बेडों की भारी कमी है। न्यायालय ने सभी अस्पतालों को निर्देश दिया कि वे 10 दिनों से अधिक समय तक रहने वाले रोगियों और दैनिक प्रवेश और छुट्टी की संख्या के बारे में जानकारी दें। कोर्ट ने केंद्र की ओर से पेश वकील अमित महाजन को लिंडे और अन्य से ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए सरकार के अधिकारियों से बात करने का निर्देश दिया।

यूपी : 24 घंटे में 30,317 नए पॉजिटिव मिले, 303 संक्रमितों की मौत

लखनऊ। यूपी में कोरोना वायरस से संक्रमितों मरीजों के ठीक होने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साथ ही कोरोना से हुई मौत के आंकड़े डराने वाले हैं। 24 घंटे के अंदर यूपी में 303 संक्रमितों की मौत हो गई। वहीं 30317 नए मामले मिले हैं। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि एक दिन में 38 हजार 826 मरीज डिस्चार्ज होकर घर लौटे हैं। नए पॉजिटिव केस में भी पहले की तुलना में सुधार है। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले तक प्रदेश में 2,66,326 सैंपल्स की जांच की गई थी। अब तक प्रदेश में करीब 4,10,64,661 टेस्ट किए जा चुके हैं। सीएम योगी के आदेश के अनुसार पूरे प्रदेश में कोरोना गाइडलाइंस के अनुसार ही काम कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शादियों में मेहमानों के शामिल होने की संख्या भी तय की गई है। वहीं 20 मई तक प्रदेश के सभी स्कूलों को बंद रखने का भी सीएम योगी ने आदेश दिया है। प्रदेश में टेस्टिंग को लेकर उन्होंने कहा कि अब तक 1,02,64,986 लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा चुकी है। इसमें से 23,22,998 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज भी लग गई है। उन्होंने बताया कि शनिवार से यूपी में 18 से 44 साल के लोगों का वैक्सीनेशन भी शुरू हो गया है।

दिल्ली के बत्रा अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने से 12 कोरोना मरीजों की मौत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत कई जगह ऑक्सीजन की कमी देखी जा रही है। कोविड के मामले तेजी से बढ़ने की वजह से ऑक्सीजन की मांग में भी बढ़ोतरी आई है। ऑक्सीजन की कमी की वजह से दिल्ली में एक बार फिर से कोरोना मरीजों की जान गई है। राजधानी के बत्रा अस्पताल में शनिवार को ऑक्सीजन खत्म होने के चलते 12 कोरोना मरीजों की जान चली गई। ऑक्सीजन की कमी को लेकर बत्रा अस्पताल ने दिल्ली हाई कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है। अस्पताल ने कोर्ट में बताया कि एक घंटे से भी ज्यादा समय तक ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं थी, जिसकी वजह से 12 कोरोना मरीजों की मौत हो गई। मरने वालों में डॉक्टर भी शामिल है।

बत्रा अस्पताल ने हाई कोर्ट को बताया, "हमें ऑक्सीजन समय पर नहीं मिली। दोपहर 12 बजे ऑक्सीजन खत्म हो गई थी। फिर डेढ़ बजे दोबारा ऑक्सीजन की सप्लाई हुई। इस वजह से कुछ लोगों की मौत हो गई, जिसमें हमारे एक डॉक्टर भी शामिल हैं।" इससे पहले अस्पताल ने ऑक्सीजन की सप्लाई पाने के लिए एसओएस मैसेज भी भेजा था। इसमें जानकारी दी गई थी कि अस्पताल में सिर्फ दस मिनट की ही ऑक्सीजन बाकी है। अस्पताल में 326 मरीज भर्ती थे। बाद में आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता और विधायक राघव राघव चड्ढा ने बताया कि हमारा क्रायोजेनिक टैंकर बत्रा अस्पताल में पांच मिनट के अंदर पहुंच रहा है। बाद में ऑक्सीजन की सप्लाई अस्पताल को कर दी गई, लेकिन इस दौरान 12 मरीजों ने दम तोड़ दिया था। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट पिछले कई दिनों से कोरोना और ऑक्सीजन की कमी को लेकर लगातार सुनवाई कर रहा है। पिछले दिनों दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार को कई बार फटकार भी लग चुकी है। हाई कोर्ट में शनिवार को भी सुनवाई जारी है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि अगर आप सेना से अनुरोध करते, तो वे अपने स्तर पर काम करते। उनका अपना बुनियादी ढांचा है। दिल्ली में अधिक बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए सशस्त्र बलों की मदद लेने के सुझावों पर, दिल्ली सरकार के वकील ना कहा कि हम उच्चतम स्तर पर प्रक्रिया में हैं। सरकार इसे देख रही है। हम 15000 और बेड लेकर आ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी पंचायत चुनावों की मतगणना की इजाजत दी, जीत के जश्न पर रोक

लखनऊ। देश की शीर्ष अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को होने वाली उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव की मतगणना पर आज सुनवाई थी। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की दो मई को मतगणना भी है। उत्तर प्रदेश में कोरोना के मद्देनजर पंचायत चुनाव

रोक लगाने या फिर आगे बढ़ाने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट में कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए फिलहाल मतगणना पर रोक लगाने की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी। इसी मतगणना को रोकने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई । जिस पर की मतगणना रोकने की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव की मतगणना कराने की इजाजत दे दी है लेकिन जीत के बाद जश्न पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि हमने राज्य चुनाव आयोग की ओर से रखी गई बातों को नोट किया। हम इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने की जरूरत नहीं समझते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो प्रोटोकॉल हमारे सामने रखा गया, उसका पूरी तरह पालन हो। मतगणना केंद्र के बाहर सख्त कर्फ्यू हो और कोई विजय रैली न निकाली जाए। हाथरस के ग्राम प्रधान कन्हैया लाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएम खानविलकर के साथ जस्टिस हरीशकेश राव की बेंच ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई की थी। इस याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूपी पंचायत चुनाव मतगणना पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हमने राज्य चुनाव आयोग की तरफ से रखी गई बातों को नोट किया। हम इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश में दखल की जरूरत नहीं समझते। जो प्रोटोकॉल हमारे सामने रखा गया, उसका पूरी तरह पालन हो।

अखिलेश यादव ने कसा तंज, सीएम वाहवाही वाला चश्मा उतारते तो दिखता लोगों का दर्द

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने पर बधाई देते हुए उन पर तंज किया कि अगर वह अपना वाहवाही वाला चश्मा उतार कर देखते तो उन्हें परेशान लोगों का दर्द दिखाई देता। सपा मुख्यालय से शनिवार को जारी बयान में यादव ने कहा, मुख्यमंत्री जी कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हुए हैं इसके लिए बधाई किन्तु दिक्कत यह है कि उन्होंने फिर अपना पुराना चश्मा पहन लिया है। उन्हें हर तरफ अमन चैन और सरकार की योजनाओं की धूम दिखाई देने लगी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने योगी पर निशाना साधा, वाहवाही वाला चश्मा उतर कर वह (योगी) देखते तो उन्हें जमीनी हकीकत में चारों तरफ हाहाकार और परेशान हाल लोगों के चेहरों पर दर्द दिखाई देता। उन्होंने कहा, जब हालात इतने दर्दनाक हों तब मुख्यमंत्री का गेहूं खरीद और गन्ना पेराई संबंधी बयान जख्म को कुरेद देते हैं। कोरोना वायरस महामारी में कहां व्यापारिक गतिविधियां चल रही हैं, गेहूँ खरीद कई जिलों में बंद चल रही है, क्रय केंद्र खुल नहीं रहें हैं और जो खुले हैं खरीद के बजाय बोरियां कम होने, तौलमापक के खराब होने तथा भुगतान के लिए पैसा न होने के बहाने बना रहे हैं।

यादव ने कहा, मुख्यमंत्री का नया एलान है कि जब तक खेतों में गन्ना रहेगा तब तक चीनी मिल चलेगी लेकिन यह एलान किसी हवाई कलाबाजी से कम नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस संकट काल में कितनी मिलें चल रही हैं यह भाजपा सरकार को बताना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने किसानों को सबसे ज्यादा उपेक्षा और यातना का शिकार बनाया है और इनके चार वर्ष के कार्यकाल में किसान को हर स्तर पर परेशानी उठानी पड़ रही है।

रूसी वैक्सीन स्पूतनिक वी की पहली खेप पहुंची भारत देश को मिला कोरोना के खिलाफ तीसरा हथियार

हैदराबाद। रूसी वैक्सीन स्पूतनिक वी की पहली खेप पहुंची भारत पहुंच गई है। 1.5 लाख डोज लेकर रूसी विमान शनिवार को करीब 4 बजे हैदराबाद में लैंड किया। इसके साथ ही देश कोकोरोना के खिलाफ तीसरा हथियार मिल गया है। आज ही देश में टीकाकरण के पहले फेज की शुरूआत हुई है, जिसे स्पूतनिक वी के आने से तेजी मिलेगी। वैक्सीन की पहली खेप भारत पहुंचने के बाद रूसी कंपनी ने कहा, "स्पूतनिक वी वैक्सीन की पहली खेप हैदराबाद पहुंच गई है। ठीक उसी दिन जब देश ने कोरोना के खिलाफ सभी व्यस्क आबादी के टीकाकरण की मुहिम शुरू की है। आइए साथ मिलकर इस महामारी को हराएं। एकता में ताकत है।" भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि स्पूतनिक वी वैक्सीन महामारी के खिलाफ जंग में भारतीय शस्त्रागार से जुड़ेगा। यह तीसरा विकल्प हमारी वैक्सीन क्षमता को बढ़ाएगा और टीकाकरण में तेजी लाएगा। 1.5 डोज की यह पहली खेप है आगे लाखों डोज और आएंगे। भारत में रूस के

राजदूत एन कुदाशेव ने कहा, "स्पूतनिक वी दुनिया में सबसे अधिक प्रभावी है। यह वैक्सीन कोविड-19 के नए स्ट्रेन के खिलाफ भी प्रभावी है। जल्द ही इसका भारत में ही उत्पादन शुरू हो जाएगा और धीरे-धीरे इसकी क्षमता प्रति वर्ष 85 करोड़ तक हो जाएगी।" स्पुतनिक वी मानव एडेनोवायरल वैक्टर पर आधारित है, तीन वैक्सीन में से एक है (अन्य दो फाइजर और मॉडर्ना की बनाई हुई हैं) जिनमें कोरोनोवायरस बीमारी के खिलाफ 90 प्रतिशत से अधिक प्रभावकारिता है, जो एसएआरएस-सीओवी -2 के कारण होती है। इसे 12 अप्रैल को भारत में विनियामक अनुमोदन या आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी गई थी।

सरकार ने कई कामों की समय सीमा बढ़ाई, विलंब से आयकर रिटर्न भरने की तारीख भी बदली

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना के प्रकोप के बीच वित्त मंत्रालय की तरफ से करदाताओं के लिए राहतभरी खबर सामने आई है। दरअसल, वित्त मंत्रालय ने जानकारी दी कि कोरोना महामारी

के बीच करदाताओं की मुश्किलों को कम करने के लिए टैक्स जमा करने से संबंधित कुछ अनुपालनों की समय सीमा को बढ़ा दिया गया है।

बता दें, कोरोना महामारी की दूसरी लहर को ध्यान में रखते हुए कई कामों की डेडलाइन को बढ़ाने का फैसला लिया गया है। सरकार ने वित्त वर्ष 2020-21 की डेडलाइन जो 31 मार्च 2021 को खत्म हुई, उसे बढ़ाकर 31 मई 2021 तक कर दिया है। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए असेसमेंट ईयर 2020-21 हुआ। इसमें लेट फाइन के साथ 31 मार्च 2021 तक रिटर्न फाइल करने का मौका था।

बीलेटेड रिटर्न और रिवाइज्ड रिटर्न की तारीख बढ़ाई गई- फाइनेंस मिनिस्ट्री की तरफ से जारी इस आदेश के मुताबिक असेसमेंट ईयर 2020-21 के लिए इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 139 के सब सेक्शन चार और पांच के तहत बीलेटेड रिटर्न और रिवाइज्ड रिटर्न की तारीख को दो महीने से बढ़ाकर 31 मई 2021 किया जा रहा है। पहले यह डेडलाइन 31 मार्च 2021 को खत्म हो गई थी।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने कहा- भारत ने चीन को सिखाया सबक, 2020 में अपनाई आक्रामक विदेश नीति

वाशिंगटन। भारत ने पिछले साल महामारी के दौर में भी बेहद विदेश नीति का कमाल दिखाया। अमेरिका की एक शीर्ष खुफिया एजेंसी ने कहा है कि भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2020 में एक ठोस विदेश नीति अपनाई, जो देश की शक्ति प्रदर्शित करने तथा सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदाता के रूप में इसकी धारणा पर केंद्रित थी।

डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी ने अमेरिका सांसदों को यह भी बताया कि नई दिल्ली ने आक्रामक चीन के खिलाफ भी अपने रुख को कठोर कर लिया। एजेंसी के निदेशक स्कॉट बेरियर ने वैश्विक चुनौतियों पर कांग्रेस की सुनवाई के दौरान सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति से कहा, "पूरे 2020 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक ठोस विदेश नीति अपनाई, जो देश की शक्ति प्रदर्शित करने तथा सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदाता के रूप में इसकी धारणा पर केंद्रित थी।" उन्होंने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 के शुरूआती महीनों में भारत ने समूचे दक्षिण एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के देशों को चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और वायरस के प्रसार की चपेट में आए क्षेत्रों से भारतीयों तथा अन्य दक्षिण एशियाई लोगों को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बेरियर ने कहा कि

2020 की गर्मियों में जब चीन ने विवादित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत के दावे वाले क्षेत्र पर अतिक्रमण के प्रयास किए, तो द्विपक्षीय संबंधों में आए तनाव के बाद नई दिल्ली ने बीजिंग के खिलाफ अपने रुख को कठोर कर लिया। उन्होंने कहा कि जून में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बाद नई दिल्ली ने 40 हजार अतिरिक्त सैनिक, तोप, टैंक और विमान तैनात कर दिए तथा विवादित क्षेत्र में रणनीतिक पर्वतीय दर्रों पर अपना नियंत्रण कर लिया और अदन की खाड़ी में चीनी पोतों के जवाब में भारतीय नौसेना के पोत भेज दिए। बेरियर ने सांसदों को बताया कि भारत ने चीन के खिलाफ आर्थिक कदम भी उठाए और चीनी मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को लेकर भी भारत ने कठोर रुख अपनाया और भारत विरोधी आतंकी समूहों की सहायता बंद न किए जाने तक राजनयिक वार्ता करने से इनकार कर दिया। बेरियर ने कहा कि 2019 के पुलवामा हमले के बाद तनाव चरम पर पहुंच गया और फिर भारत ने हवाई हमले (पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविर पर) की कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि अगस्त 2019 में भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने जैसा कड़ा फैसला भी किया। बेरियर ने कहा कि नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना का तोपखाना पूरे साल पाकिस्तान स्थित संदिग्ध आतंकी शिविरों और पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को निशाना बनाता रहा।

पत्नी ने गला दबाकर पति की हत्या की फिर स्कूल में फेंक दी लाश, गिरफ्तार

गोरखपुर। गोरखपुर के पिपरइच के पिपरा मोगलान गांव में निमार्णाधीन विद्यालय में मृत मिले 35 वर्षीय धर्मेन्द्र निषाद की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पत्नी रेनू को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पत्नी ने एक अन्य युवक के साथ मिलकर धर्मेन्द्र की गला दबाकर हत्या कर दी थी और शव को स्कूल में छोड़ दिया था। धर्मेन्द्र की मां मीरा देवी ने बहू पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने बहू को गिरफ्तार कर लिया और उसे कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। यहां बता दें कि मंगलवार को धर्मेन्द्र की लाश उसके गांव के निमार्णाधीन स्कूल के एक कमरे में मिली थी। मीरा ने पुलिस को बताया कि धर्मेन्द्र सोमवार से ही लापता था। वह शाम को गांव के एक मंदिर में कढ़ाई चढ़ाने गई थी लौटी तो बेटे को घर न देखकर बहू से पूछी तो उसने निमार्णाधीन स्कूल के तरफ

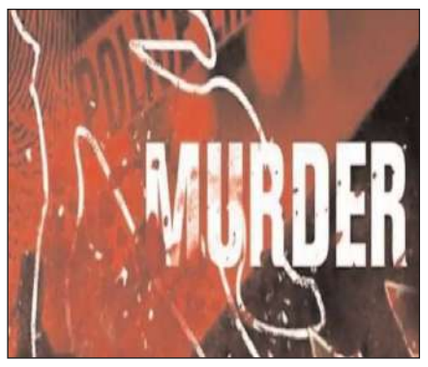

खोजने की बात कही। जिसके बाद उसकी लाश मिली। धर्मेन्द्र तेरह साल के बेटे धनंजय का पिता था। उसका बेटा अपने ननिहाल कुशीनगर जनपद के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर में रहता है। धर्मेन्द्र की शादी 2003 में हुई थी। 2008 में गवना हुआ था।

संपादकीय

अभिव्यक्ति के हक में

संकट में पड़े लोगों को सहायता पहुंचाना सरकारों की जिम्मेदारी होती है। इस क्रम में यह देखना जरूरी नहीं होता कि किसी प्रभावित व्यक्ति ने मदद की मांग की है या नहीं। लेकिन कई बार संकट का दायरा बड़ा होता है और लोगों के सामने सरकार से मदद मिलने का इंतजार करने के बजाय उससे अपने स्तर पर निपटना प्राथमिक चुनौती होती है। कभी ऐसा भी हो सकता है कि सरकारी व्यवस्था में लापरवाही, कोताही या फिर कमी की वजह से संकट गहरा जाता है। ऐसी स्थिति में एक सभ्य समाज में अपने आप मानवीय आधार पर एक दूसरे की मदद का एक असंगठित तंत्र काम करना शुरू कर देता है और हर संवेदनशील व्यक्ति अपनी सीमा में किसी जरूरतमंद की मदद करता है या जरूरी सूचनाएं पहुंचाता है। किसी भी समाज में इस तरह मदद की भावना को लोगों के संवेदनशील और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूक होने के तौर पर देखा जाना चाहिए। विडंबना यह है कि कई बार सरकारें इस तरह की गतिविधियों को खुद को कठघरे में खड़ा करने के तौर पर देखने लगती हैं। सवाल है कि जो काम करना सरकार की जिम्मेदारी है, उसमें नाकाम होने पर शर्मिंदगी महसूस करने के बजाय वह उल्टे एक दूसरे की मदद करने वाली जनता पर शिकंजा कसना क्यों शुरू कर देती है! शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इसी रवैए पर तीखा सवाल उठाया कि कोई भी राज्य कोविड-19 के बारे में सूचनाओं के प्रसार पर शिकंजा नहीं कस सकता है और इंटरनेट पर मदद की गुहार लगा रहे नागरिकों को यह सोच कर चुप नहीं कराया जा सकता कि वे गलत शिकायत कर रहे हैं। अदालत ने यहां तक कहा कि सोशल मीडिया पर लोगों से मदद के आह्वान सहित सूचना के स्वतंत्र प्रवाह को रोकने के किसी भी प्रयास को न्यायालय की अवमानना माना जाएगा। शीर्ष अदालत का यह फैसला हाल ही में उत्तर प्रदेश प्रशासन के उस फैसले के संदर्भ में आया है, जिसमें कहा गया कि सोशल मीडिया पर महामारी के संबंध में कोई झूठी खबर फैलाने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। एक खबर के मुताबिक उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति ने अपने अठासी वर्षीय बीमार दादा को ऑक्सीजन मुहैया कराने के लिए सोशल मीडिया पर मदद मांगी थी और पुलिस ने डर फैलाने का आरोप लगा कर उसके खिलाफ महामारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश मदन बी लोकुर ने एक व्याख्यान में इस पर ठीक ही सवाल उठाया कि इस तरह मदद मांगने वाला व्यक्ति क्या कोई अपराध कर रहा है! उन्होंने कहा कि दरअसल ये तरीके और साधन हैं, जिनके जरिए बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में कटौती की जा रही है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए अस्पतालों में बिस्तरों और ऑक्सीजन की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। जाहिर है, यह स्थिति सरकार और समूचे स्वास्थ्य तंत्र के चरमरा जाने की वजह से आई है। ऐसे में लोग सोशल मीडिया के जरिए बीमारी की वजह से संकट में पड़े लोगों के लिए ऑक्सीजन या बिस्तर मुहैया कराने के लिए मदद की गुहार लगा रहे हैं और सूचना सार्वजनिक होने पर उन्हें सहायता मिल भी रही है। लेकिन इससे यह भी जाहिर हो रहा था कि सरकार की व्यवस्था में कमी है। और शायद उत्तर प्रदेश सरकार को यही बात खल गई। अफसोस की बात यह है कि आम लोगों की जिस पहलकदमी से सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में कमियों में सुधार की कोशिशें शुरू करनी चाहिए थी, नागरिकों की जागरूकता और संवेदनशीलता की तारीफ करनी चाहिए थी, उसने ऐसी सूचनाएं जारी करने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया।

आया एक्जिट पोल !

अपनी-अपनी बहस ।
दावे अपने-अपने ।।
देखेंगे हम जल्द ।
पूरे किसके सपने ।।
आया एक्जिट पोल ।
तर्क अलग-अलग ।।
शुरू हुआ फूंक-फूंक ।
लगे रखने पग ।।
गुणा-गणित आगे का ।
शुभारंभ अब काम ।।
वो भी रहे विचार ।
जिनका हुआ तमाम ।।
जो भी हो नतीजे ।
हुई धड़कन तेज ।।
पूजन-अर्चन शुरू हुआ ।
उत्साह से लवरेज ।।

-कृष्णेन्द्र राय

लापरवाही का कहर

रसाल सिंह

पुरानी कहावत है- सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। इस कहावत को अपना कर मानव समाज तमाम तरह की दुर्घटनाओं से बचता रहा है। लेकिन कोरोना-काल में हम इस कहावत को भूल गए। शुरूआत में तो हमने खूब सावधानी बरती। इसीलिए भारत में कोरोना का प्रकोप भी सीमित ही रहा। केंद्र और राज्य सरकारों, नागरिक समाज और प्रत्येक व्यक्ति द्वारा उठाए गए एहतियाती कदमों और आवश्यक व्यवहार ने भारत में सर्वाधिक जनहानि होने की वैश्विक संस्थाओं और विशेषज्ञों की भविष्यवाणी को गलत साबित कर दिया था। इन संस्थाओं और विशेषज्ञों ने भारत की बड़ी आबादी, अशिक्षा और स्वास्थ्य ढांचे की चिंताजनक अपर्याप्तता के कारण महामारी का प्रकोप सर्वाधिक रहने की आशंका जताई थी। पिछले साल महामारी को काबू कर पाना इसलिए संभव हो सका था क्योंकि हम कोरोना के खिलाफ सजग और सावधान थे। कोरोना संक्रमण से बचाव हमारी पहली प्राथमिकता था। लेकिन बाद में जिस तरह बेपरवाह होते चले गए, उसका खमियाजा आज भुगत रहे हैं। यह समाज और सरकार दोनों स्तरों पर हुआ।

वर्ष 2020 की समाप्ति होते-होते और कोरोना संक्रमण दर के नीचे आते-आते हम निश्चिंत हो गए थे। यही निश्चिंतता बाद में घोर लापरवाही बनती गई। यही सबसे बड़ी गलती थी। जब तक शत्रु पूरी तरह से खत्म न हो जाए, तब तक जीत अपूर्ण होती है। महाभारत का सबक भी यही है। लेकिन कोरोना काल में भारत के लोग इस सबक को भूल गए। आर्थिक सर्वेक्षण (2020-21) जैसे पूर्वानुमानों ने भी कोरोना के प्रति सरकारों और लोगों को लापरवाह बनाया। इस सर्वेक्षण में स्पष्ट तौर पर यह कहा गया था कि साल 2021 में टीकाकरण शुरू होने के बाद भारत में कोरोना की दूसरी लहर की आशंका कम हो जाएगी। आज यह पूर्वानुमान गलत साबित हो गया है और भारत कोरोना की पहली लहर से कहीं अधिक भयानक दूसरी लहर की चपेट में है।

भारत में इस दूसरी लहर के कारणों पर विचार करना भी आवश्यक है। हरिद्वार में कुंभ का मेला, पांच राज्यों- पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव, उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव, एक साल से रुके हुए विवाह आदि सामाजिक कार्यक्रमों ने महामारी को फिर से सिर उठाने का मौका दे दिया। अत्यंत व्यापक और भारी भीड़-भाड़ वाले ऐसे आयोजनों ने संक्रमण के संवाहक का काम किया। इसके अलावा कोरोना से बचाव के लिए सरकार की ओर से निर्धारित उपायों और नियमों के उल्लंघन ने भी हालात खतरनाक बना डाले। इन आयोजनों में बरती गई लापरवाही और गैर-जिम्मेदार रवैए ने आम जनमानस में महामारी के प्रति भय और गंभीरता को खत्म कर डाला। नतीजा यह हुआ कि लोग इसे सामान्य खांसी-जुकाम मानने लगे। कोरोना के प्रति समाज की गंभीरता, सजगता और सावधानी इस संक्रमण के खिलाफ लड़ाई का मूलमंत्र है। लेकिन पिछले कुछ महीनों में लोग कोरोना-पूर्व की मनःस्थिति और जीवनशैली की ओर लौटने लगे। वे भूल गए कि कोरोना से बचाव के उपाय अब नए सामान्य का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ह्यदो गज की दूरी, मास्क है जरूरीह्न, ह्यजब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहींह्न जैसे संदेश लफ्फाजी बन कर रह गए। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-व्यवहार से हमने सीखा था कि कथनी और करनी के अद्वैत से ही नारे सार्थक और सजीव होते हैं। लेकिन धीरे-धीरे लोगों का मानस ह्यन दवाई जरूरी, न कड़ाई जरूरीह्न जैसा बनता चला गया और संक्रमण बेकाबू होता गया। टीवी, रेडियो और अखबारों में हम ये नारे देख-सुन रहे थे। लेकिन व्यवहार में इनका सख्ती से पालन होते नहीं दिखा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हजारों लोग को रैलियों, सभाओं और रोड शो जैसे आयोजन में शामिल होते रहे। जाहिर है, ऐसे हालात में तो संक्रमण फैलने को रोका नहीं जा सकता था। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव भी संक्रमण की रफ्तार को बढ़ाने वाले साबित हुए। पंचायत चुनाव में ड्यूटी करने वाले एक सौ तीस से ज्यादा शिक्षक संक्रमण की चपेट में आकर जान धो बैठे। इन्हीं सबके मद्देनजर मद्रास उच्च न्यायालय ने दो मई को मतगणना वाले दिन कोरोना नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराने संबंधी याचिका की सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग के खिलाफ तल्ख टिप्पणियां की। अदालत ने चुनाव आयोग की लापरवाही और गैर-जवाबदेही को रेखांकित करते हुए उसे निर्दोष नागरिकों की ह्यहत्या का मुकदमाह्न दर्ज करने योग्य माना है। संभवतः चुनाव आयोग मानव-जीवन की नहीं, लोकतंत्र की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध और सीमित था। दूसरी लहर के खतरे को लेकर विशेषज्ञों की बारंबार चेतावनी को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया। थोड़े से हालात सामान्य होने के बाद से ही सरकार और लोग यह मान बैठे थे कि हालात अब काबू में हैं और हम महामारी से मुक्ति पाने की ओर बढ़ चले हैं। केंद्र सरकार की ओर से बार-बार निश्चिंतता पैदा करने वाले ऐसे बयान आते रहे जिनसे लग रहा था कि हालात अब सामान्य हो रहे हैं। आहिस्ता-आहिस्ता केंद्र और राज्यों ने ज्यादातर पाबंदियों को हटा लिया। जिम, रेस्टोरेंट, तरणताल, सार्वजनिक परिवहन सेवाएं सब पहले की तरह ही चलने लगीं। शहरों में साप्ताहिक बाजार लगने लगे। इन सबका नतीजा यह हुआ कि भीड़ तेजी से बढ़ने लगी और लोगों ने बचाव संबंधी उपायों को त्याग दिया। इस लापरवाही ने दूसरी लहर को न्योता दिया। नतीजा आज सामने है। देश के निजी और सरकारी अस्पतालों में जिस तरह से रोजाना मरीज पहुंच रहे हैं, वह हिला देने वाला है। बिस्तर नहीं हैं, ऑक्सीजन और जीन रक्षक प्रणाली नहीं हैं, आवश्यक दवाइयों का अभाव है। इनके अभाव में लोग दम तोड़ रहे हैं। आज भारत महामारी की मार झेलने वालों में दुनिया में सबसे ऊपर है। तमाम वैज्ञानिक और विशेषज्ञ बता रहे हैं कि कोरोना की दूसरी लहर में विषाणु के जो नए रूप सक्रिय हैं, वे पिछली बार से ज्यादा खतरनाक हैं। सर्वप्रथम तो भारत की जलवायु और पारिस्थितिकी इनके अनुकूल है। ये लक्षणहीन हैं। इसलिए सही समय पर संक्रमण की पहचान, रोकथाम और उपचार चिकित्सकों और वैज्ञानिकों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। साथ ही, विषाणु की मारक क्षमता भी पिछली बार से अधिक है। इसलिए संक्रमण दर और मृत्यु दर के आंकड़े भी हैरान करने वाले हैं। आज देश को पिछले साल से अधिक सावधान, संगठित और संकल्पबद्ध होने की आवश्यकता है। ऐसा करके ही हम इस हारी हुई बाजी को फिर से जीत सकते हैं। महामारी से निपटने में टीकाकरण अभियान की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। लेकिन अभी तक भी टीकाकरण काफी सीमित ही है। चौदह करोड़ लोगों को टीका लगाया जा चुका है। लेकिन आबादी को देखते हुए यह कोई बड़ा हासिल नहीं तो नहीं कहा जा सकता। इस अभियान को गति देने के लिए बहुस्तरीय कदम उठाने की आवश्यकता है। टीकों के उत्पादन से लेकर टीकाकरण केंद्रों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। एक मई से अठारह साल से ऊपर के सभी लोगों का टीकाकरण करने का फैसला हो गया है। लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि जल्दी ही पूरी आबादी को टीका लगाने के लिए बड़े स्तर पर संसाधनों और टीकाकरण केंद्रों की जरूरत है। इनका बंदोबस्त करना भी केंद्र और राज्यों सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है। यह भी याद रखना होगा कि सिर्फ टीकाकरण ही पर्याप्त नहीं है। इसके साथ ही दवाई भी, और कड़ाई भी वर्तमान परिस्थितियों में सर्वाधिक अपेक्षित व्यवहार है।

श्रम की गरिमा

कुमार विनोद

वे दोनों लड़के हमारे घर के सामने वाली गली में निमार्णाधीन एक मकान में मजदूरी करते हैं और बतौर चौकीदार रात को भी वहीं पर रहते हैं। साल भर के इस्तेमाल के लिए अभी कुछ ही दिन पहले खरीदी गई तीन क्विंटल गेंहू को अपने घर की पहली मंजिल पर रखे हुए ड्रम में डलवाने के लिए कल देर शाम मैं उन दोनों को थोड़ा मोल भाव करके अस्सी रुपए मजदूरी देना तय कर अपने घर ले आया। इस काम में उन्हें मुश्किल से आधा-पौना घंटा ही लगा होगा। भीषण गर्मी के चलते इतनी ही देर में वे पसीने से तर-ब-तर हो चुके थे। इस दौरान न जाने क्यों मुझे खुद ही लगा कि इस तथाकथित छोटे से काम के लिए भी उनकी शुरूआती सौ रुपए की मांग बिल्कुल जायज थी। शायद इसीलिए मैंने पहले से तय किए गए अस्सी के बजाय सौ रुपए जब उनकी हथेली पर रखे तो उनके चेहरे पर अनायास उतरी खुशी और आंखों में उभरे संतुष्टि के भाव देखते ही बनते थे। जाने से पहले मैंने उन्हें फ्रिज में रखा ठंडा-ठंडा शर्बत पिलाया तो उनके चेहरे पर उभरी सुकून की इबारत स्पष्ट रूप से पढ़ी जा सकती थी। लेकिन इस पूरे प्रकरण में मुझे अपने कलेजे में जो ठंडक महसूस हुई, उसका इकलौता गवाह सिर्फ मैं था।

याद कीजिए, हम अक्सर ही रिक्शा चालकों से महज पांच-दस रुपए कम करवाने के चक्कर में अपनी ढेर सारी ऊर्जा खर्च कर देते हैं। रही बात इन पांच-दस रुपयों की, तो जनाब यह पांच-दस रुपए हमारे लिए तो शायद ही कोई विशेष महत्त्व रखते होंगे, लेकिन दूसरी ओर सुबह से लेकर शाम तक एक-एक करके कई सवारियों द्वारा कम करवाए गए इन पांच-पांच, दस-दस रुपयों की बदौलत कम हुई थोड़ी-सी धनराशि भी उनकी गृहस्थी के लिए मुश्किलें काफी हद तक बढ़ा सकती है। शायद इसी मनःस्थिति से गुजर कर शायर ने लिखा भी है- रिक्शा वाले से छुड़ाया, दो का सिक्का लड़-

झगड़; रात भर चुभता रहा सीने में खंजर की तरह। रिक्शा पर बैठे-बैठे या फिर अपने गंतव्य पर पहुंच कर भी अगर हमें एक क्षण के लिए भी लगे कि रिक्शा वाले से तय किए गए पैसे वाकई कम हैं और सचमुच बहुत संतुष्टि प्रदान कर सकती है। मुझे याद पड़ता है कि जिस किसी दिन मैं सुबह अपने रूटीन समय से थोड़ा जल्दी उठ जाता हूं तो अपने तयशुदा वक्त पर ही आकर अखबार डालने वाला हम खुद ही रिक्शा चालक को तयशुदा पैसों से कुछ बढ़ कर भुगतान कर दें तो इसके परिणामस्वरूप उनकी आंखों में उभरी संतोष की चमक हमें भी लड़का उस दिन मुझे न जाने क्यों, देरी से आता प्रतीत होता है। मैं उसे जल्दी पेपर न डालने के कारण डांट भी देता हूं। उसके यह स्पष्ट करने पर कि कभी-कभार पीछे से ही अखबार देरी से आने के कारण वह उन्हें समय पर बांट नहीं पाता, जिसकी वजह से अखबार बांटने के बाद उसे स्कूल जाने में भी देरी हो जाती है, तो मुझे खुद पर ही शर्म आ जाती है। वैसे भी गर्मी, सर्दी, बारिश, मौसम कैसा भी क्यों न हो, बिना एक भी दिन नागा किए ये लोग अपने काम को बखूबी अंजाम देते ही हैं। यह सोच कर भी मुझे अपनी गलती का अहसास होता है। घर में काम करने वाली बाई किसी दिन जब देर से आती है तो आमतौर पर घर के मालिक उन्हें डांट फटकार लगाते हैं, उस दिन की पगार काट लेने की या फिर काम से छुट्टी करने की धमकी तक देने से बाज नहीं आते। लेकिन जब कभी पता चलता है कि वह तो अपने बीमार बच्चे को डॉक्टर से दवाई दिलवा कर सीधे काम पर ही आ रही है, तो बेहद अफसोस होता है। ये तो कुछ उदाहरण भर हैं। मेहनत मजदूरी करने वाले लोगों के प्रति हमारा दृष्टिकोण मानवीय हो और हम कम से कम व्यक्तिगत स्तर पर तो इनका शोषण न करें, इसके लिए किसी भी कानून की नहीं, बल्कि खुद में झांकने और थोड़ी देर के लिए ही सही, खुद को उनके स्थान पर रख कर उनके बारे में सोचने की आवश्यकता है। चाहे काम करने वाली बाई हो या रिक्शा चालक, अखबार डालने वाला कोई व्यक्ति हो या घर के बगीचे की देखभाल के लिए माली, गली-मुहल्ले में झाड़ू लगाने वाला सफाई कर्मचारी हो या कॉलोनी का चौकीदार; ये कुछ इने-गिने नाम हैं, जिनके साथ हमारा आत्मीय व्यवहार, इन्हें अपने काम को और भी अच्छे ढंग से करने के लिए प्रेरित करता है।

बदतर हालातों के मध्य का अनुभव !

मैं देख रहा हूँ,जब से कॅरोना की सेकेंड वेव आई है,सरकार की तैयारी को लेकर बहुत सी बातें लोग रख रहे है,जिसमे आक्रोश भी है,पीड़ा भी है,गुस्सा है और सुझाव भी है और ये होना स्वाभाविक है । अच्छाई व बुराई सदैव परिवार के मुखिया को ही झेलनी होती है । इन सरकरों के मुखिया भी पूरी शिकायत धैर्य के साथ सुन रहे है,क्योकी उन्हें पता है जब किसी का कोई अपना संकट में होता है तो उस परिवार के लोगो के ऊपर क्या बीतती है,परंतु मैं एक बात नही समझ पा रहा हूँ कि इस बीच मे लोग राजनीतिक मुद्दे को क्यो ले आते है,मैं सरकार के कामकाज को लेकर उसकी तारीफ नही कर रहा हूँ परन्तु मैं इतना जरूर जनता हूँ कि यदि ईश्वर न करता ये स्थितियों 2014 के पूर्व आई होती तब जब भारत की स्थित विश्व क्षितिज पर नकारात्मक थी,देश की जनता के अंदर एक अविश्वास था कि पता नही आगे क्या होगा ऐसे में एक करिश्माई व्यक्तित्व ने आकर विश्व क्षितिज पर भारत को गरिमामय स्थान दिलवाया और तो और देश की जनता के अंदर विश्वास पैदा किया,आतंकवाद को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया,जिसे आप हिंदुस्तान का स्वर्ग कहते थे, कश्मीर को,उसे देश का अभिन्न अंग बनाया,और जिसे आप सभी भारत की अस्मिता से जोड़कर देखते थे उस रामजन्म भूमि के विवाद को समाप्त कराया,और देश के कमजोर व उपेक्षित वर्ग के लिए बहुत सारी लाभकारी योजनाएं भी लेकर आये, अस्पताल, पुल, हाईवे व सड़को का संजाल पूरे देश मे पिछली सरकारों की तुलना में कई गुना ज्यादा किया,हाँ पांच राज्यों के चुनाव का निर्णय सरकार की अदूरदर्शी सोच का परिणाम हम कह सकते है,लेकिन इसके लिए सिर्फ हम सरकार को दोष नही दे सकते,इसके लिए अन्य विपक्षी राजनीतिक दल भी उतने ही जिम्मेदार है,यदि जितना इस समय वो चिल्ला रहे है, और ये कह देते की हम सभी विपक्षी दल सरकार व चुनाव आयोग के इस निर्णय से सहमत नही है,हम सभी चुनाव का बहिष्कार करते है,तो शायद चुनाव आयोग व सरकार को ये सुनना पड़ता और उसे चुनाव रोकना पड़ता,लेकिन तब तो सभी चुनाव के पक्ष में थे,उत्तर प्रदेश सरकार पंचायत चुनाव को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया परंतु चुनाव आयोग को चुनाव रोकने के आदेश हाईकोर्ट ने भी नही दिया, ऐसे में आप इन सरकारों को ही सिर्फ दोषी क्यों मानते है,मैं आप की प्रत्येक पीड़ा से सहमत हूँ,ऑक्सीजन का संकट एक बहुत बड़ा संकट है,और ऐसे में बहुतों ने अपनो को खो दिया,वास्तव में उस पीड़ा को सोचकर ही मन सिहर जाता है,अखबार, न्यूज चैनल,और भी माध्यमो से जानकारी जो मिलती है उससे भी गम्भीर स्थितियां हो सकती है,परंतु जिस तेजी से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व देश के प्रधानमंत्री ने निर्णय लेना चालू किया है,उसके सकारात्मक परिणाम भी हम सभी को अतिशीघ्र देखने को मिलेंगे,ये समय आलोचना का नही है ये समय एकजुटता का है,आओ हम समस्त देश वासी मिलकर इस कॅरोना महामारी को बाहर फेके,नकारात्मक नही सकारात्मक ऊर्जा को एक दूसरे तक पहुचाएं। देखिये कि एक संकीर्ण वर्ग, जिसे मैं विक्षिप्त कहूँगा, सोशल मीडिया पर रोहित सरदाना की मौत का "जश्न" मना रहा है। रोहित चला गया और जाने के बाद कोई अपना पक्ष नहीं रख सकता। जवाब भी नहीं दे सकता। फिर भी कुछ पगलाए लोग मानो उसकी मौत की प्रतीक्षा में थे। उसके जीते-जी कुछ कहने का साहस नहीं कर सके इसलिए जब वह अकाल मृत्यु को प्राप्त हुआ तो रेंकने लग पड़े। कहते हैं कि दुर्योधन ने जब जन्म लिया तो रोया नहीं बल्कि रेंकने लगा था। उसे रेंकते देख तब विदुर ने कहा था कि यह बालक एक दिन हस्तिनापुर के विनाश का कारण बनेगा। जो रोहित सरदाना की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद रेंक रहे हैं वे सब दुर्योधन के वंशज हैं। आप जानते हैं कि मनुष्य गुस्से में चीखता है, शेर दहाड़ता है, हाथी चिंघाड़ता है और गधे रेंकते हैं। रोहित सरदाना कैसे पत्रकार थे इस विषय पर फिर कभी चर्चा हो सकती है। वे 'आज तक' के तेजतर्रार एंकर थे और अपना पत्रकारीय-धर्म बखूबी निभा रहे थे। पत्रकारीय-धर्म क्या है इसपर भी अलग से चर्चा हो सकती है। वास्तव में देश में पत्रकारीय-धर्म अब "कर्म" बन चुका है। पत्रकारीय निष्पक्षता, निर्भीकता और स्वतंत्रता सरकारी प्रलोभनों के सामने नतमस्तक हो गई है। पत्रकार की कलम मीडिया समूहों के मालिकों की गुलाम बनकर रह गई है। पत्रकार को वही लिखना पड़ रहा है जो मालिक चाहता है। दुर्भाग्य से मालिक वही चाहता है जो सरकार चाहती है। पत्रकारिता चीनी मिलों और शराब के कारखानों की तरह एक उद्योग बन गया है। इन उद्योगों में हम सब पत्रकार नहीं, महज कर्मचारी बनकर काम करते हैं। ऐसे में कोई दावा करते दिख जाए कि वह सच्चा और खालिस पत्रकार है तो मान लेना चाहिए कि उससे बड़ा झूठा और मक्कार तो अमेरिका का ट्रम्प भी नहीं है। बहरहाल मैं तेजतर्रार पत्रकार व एंकर रोहित सरदाना की अकाल मृत्यु से बहुत दुःखी हूँ। मैं अपने समय की ईमानदाराना पत्रकारिता की ओर से उस जुझारू नौजवान को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। आप सभी से निवेदन है जागरूकता बढ़ावें, हर सर्दी बुखार कोरोना नही होता। मास्क पहने 2 गज की दूरी बनावें, फिटकरी डालकर गर्म पानी पिये और कोरोनिल का उपयोग घर मे जरूर करे ,गिलोय का काढ़ा लें ,बुखार नहीं उतर रहा है तो डॉक्टर की सलाह लें ।

पंकज कुमार मिश्रा

आपके एक छोटे से सहयोग से किसी की जिंदगी सलामत हो सकती है

आपकी एक छोटी सी मदद से किसी की जिंदगी सलामत हो सकती है ।कहावत है ही-डूबते को तिनके का सहारा मिल जाएगा तो वह डूबने से बच सकता है ।आपके एक।मीठे बोल और मीठी मुस्कान से कोई खुश हो जाए तो इसमें हर्ज ही क्या है।) आज जिन्दगी की इस भागम-भाग में लगता है कि किसी के पास इतना वक्त नहीं है कि वह दूसरे के लिए कुछ सहायता कर सके। उसे अपने काम से ही फुर्सत नहीं है ।वह दिन-रात इतना व्यस्त रहता है कि वह खुद की भी मदद नहीं कर पाता है।लोगबाग अंधी दौड़ में ही शामिल हैं । इतना ही नहीं कुछ लोगों से बात करिए तो ऐसा मुँह बनाते हैं कि जैसे उनके ऊपर कोई बहुत बड़ी विपत्ति आ पड़ी। अरे भाई दो शब्द मीठे से बोलने में हर्ज ही क्या है?देखिये ना नर्सेज अपनी एक मीठी मुस्कान से हजारों मरीजों का दिल जीत लेती हैं । लाखों लोगों को वे अपने प्यार से जीवन प्रदान कर देती हैं ।डाक्टर वही सफल होता है जो अपनी प्यार भरी बातों से मरीजों को संतुष्ट कर देता है ।बहुत सारे शिक्षक अपने छात्रों के लिए आदर्श इसी तरह नहीं बन जाते हैं ।वे अपनी सदाशयता एवं अच्छे व्यवहार से अपने शिष्यों के लिए आदर्श एवं प्रेरणा पुरुष बनता है । वर्षों पूर्व की बात है-एक छोटे बच्चों के छात्रावास के वार्डेन के पास मैं ऐसे ही मिलने चला गया ।मैं उनके पास बगल में बैठ गया ।थोड़ी देर बाद दो बच्चे उनके पास आए।उनका पैर छूकर उन्हें भी और मुझे भी हौले से मुस्कराते हुए वार्डेन जी एक-एककरके कहा -जी मुझे पाँच रुपए चाहिए ।दूसरे ने कहा जी मुझे दस रुपए चाहिए । वार्डेन जी ने बड़े प्यार से पूछा-बताओ तुम पाँच रुपए क्या करोगे?उसने बिना संकोच कहा-जी आज मेरा मन गोलगप्पे खाने का हुआ है ।अच्छा तुम बताओ बेटा-दूसरे ने भी उसी भाव में कहा कि-जी गुरु जी मैं न पाँच रुपए की पेन्सिल और रबर लूँगा और पाँच रुपए का गोलगप्पे खाऊँगा। गुरु जी अपने कर्मचारी से रजिस्टर मंगाकर उनके नाम के आगे उस तिथि में उस धनराशि को अंकित करने के बाद उन दोनों का हस्ताक्षर कराया । ये है विश्वास और मीठी वाणी का तजुर्बा । ये भाई-एक दिन बिक जायेगा माटी के मोल ।कर लो प्यार !उतार लो अपने जेहन में मीठे बोल । इस कहानी के पीछे मेरे एक शुभचिंतक द्वारा भेजा गया एक वीडियो है। जैसा आप जानते ही हैं कि ।हमारे वीर और बहादुर जवान किस तरह से दुर्गम पहाड़ों पर ।ग्लेशियर पर रहकर,चलकर,अपना पूरा जान जोखिम में डालकर दिन-रात देश की सीमाओं की दुश्मनों से रक्षा करते हैं । सैकड़ों जवान प्रत्येक वर्ष इन ग्लेशियरों के पिघलने से और बफीर्ली आँधी में दबकर अपनी कीमती जान गवां बैठते हैं ।फिर भी कुछ लोग राजनीति करने से बाज नहीं आते हैं ।एक बार का वाकया है ऐसे ही बफीर्ले चोटियों पर तैनात सेना के कुछ अधिकारियों एवं जवानों का।उस सेना की टुकड़ी को चाय की तलब लगी ।एक दुकान देखा वहां कुछ नहीं था।जब वे लोग एक दूसरी दुकान पर पहुँचे तो उसमें ताला बंद था।एक सैनिक ने ताला तोड़कर भीतर देखा तो वहाँ चाय की सभी सामग्री मौजूद थी।पन्द्रह कप चाय बनाकर पीने के बाद कुछ रुपए उस दुकान में रखकर उसे बंद कर दिया ।कुछ देर बाद जब उस दुकान का मालिक आकर देखा तो दुकान का ताला टूटा हुआ है ।उसने दुकान खोलकर देखा कि वहाँ कुछ रुपए रखे हुए हैं ।उसे लेकर वह खुश होकर दौड़ते हुए अस्पताल गया जहाँ पैसे के अभाव में उसके बेटे का इलाज नहीं हो पा रहा था ।उस पैसे से उसके बेटे का इलाज हो गया और कुछ दिन बाद बाप-बेटा आकर अपनी दुकान फिर से अच्छी तरह से चलाने लगा ।एक दिन सेना की वह टुकड़ी फिर से उधर से गुजरी तो वह दुकान खुली हुई थी।दुकानदार ने सेना के अधिकारी से पूरा वाकया बताया और भगवान को शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि-जिसने भी मेरी दुकान में रुपए रखे थे जिससे मेरे बेटे का इलाज संभव हो सका ऐसे फरिश्तों को लाख-लाख शुक्रिया ।

डा जगदीश सिंह दीक्षित, टी डी कालेज जौनपुर

सीआरपीएफ ने ठाना है काशी से कोरोना को भगाना है

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कोरोना संक्रमण काल में अधिक से अधिक लोगों को से बचाने के लिए 95वी बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के द्वारा सैनिटाइजेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है इस क्रम में बृहस्पतिवार को भी जवानों ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन का कार्य किया। सीआरपीएफ जवानों की टोली ने पहले भेलूपुरा से आसपास के क्षेत्रों में जहां सैनिटाइजेशन किया वही चौक ठठेरी बाजार चौखंभा सब्जी मंडी रामघाट ग्वाल दास साहू लेन नंदन साहू लेन इलाकों में भी सैनिटाइजेशन किया। इसके अलावा टीम ने छतरीपुर होलापुर में भी सैनिटाइजेशन किया। सीआरपीएफ जवानों के द्वारा किए जा रहे कार्य की लोगों द्वारा लगातार प्रशंसा की जा रही है कहीं-कहीं तो जवानों का लोग स्वागत भी कर रहे है।

अबूझ हाल में विवाहिता सहित छह माह की मासूम का तालाब में मिला शव मचा, हड़कंप

प्रखर राजगढ़, मिजार्पुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के धौरहां पुलिस चौकी अंतर्गत शनिवार सुबह तालाब में महिला व उसकी छह माह की बच्ची का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार करौदा गांव में शनिवार सुबह शौच के लिए निकले ग्रामीणों ने देखा कि एक महिला व एक करीब छह माह के मासूम का शव तालाब में उतराया हुआ है। ग्रामीणों ने पास जाकर देखा तो हड़कंप मच गया। मृत महिला की शिनाख्त करौदा ग्राम सभा के पूर्व प्रधान कुलदीप सिंह की 22 वर्षीय विवाहिता पुत्री वर्षा के रूप में की गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल परिजनों को दी, मौके पर पहुंचे परिजनों ने मृत बेटी व छह माह के मासूम का शव देखकर बिलख पड़े। बताया जाता है कि पूर्व प्रधान कुलदीप सिंह की बेटी वर्षा का विवाह राजगढ़ पुलिस चौकी क्षेत्र के इमलिया 84 गांव में हुआ था। शव देखने से प्रतीत होता है कि रात्रि का ही है। खबर लिखे जाने तक परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना नहीं दी गई थी।

मतगणना को लेकर बढ़ने लगी प्रत्याशियों की धड़कने

प्रखर केराकत जौनपुर। प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव छिटफुट हिंसा के बीच सकुशल सम्पन्न करा लिया गया। अब प्रत्याशियो की नजरे दो मई को होने वाले मतगणना पर टिकी हैं। सभी प्रत्यासी अपने अपने जीत के दावे कर रहे है वही पहले चरण मे सम्पन्न हुए चुनाव के प्रत्याशियो को सुबह दोपहर व शाम बस एकै ही बात कहत हव की,अब की बार जितै की है बारी चक्की चौराहे पर होती देखी जाती रही। गांव-गांव बस यही बतकही छिड़ी हुई है कि कहां किस सीट पर कौन जीत रहा है।

हार-जीत की गणित लगाई जा रही है। मतदान के ऐन वक्त तक बदले समीकरण पर चर्चा बदस्तूर चल रही है। प्रत्याशियों की तकदीर मतपेटी में बंद है। उनके लिए दो मई की तारीख उनके भाग्य का फैसला करेगी। आमतौर पर हर जगह बेहतर मतदान होने की वजह से लोगों की गणना और गणित बिगड़ी हुई है। किसी दूसरे को सपोर्ट करने के बाद बड़ी ही होशियारी से पाला बदलने वाले लोग का कमोवेश हर गांव में सक्रिय रहे। अब वे मनमाफिक तर्कों के सहारे प्रत्याशियों से अलग-अलग मिलकर अपना उल्लू सीधा करने में जुटे हुए हैं।

सर्वाधिक माथापच्ची प्रधान व जिला पंचायत सदस्यों के पदों पर संभावित नतीजों को लेकर देखी जा रही है। पब्लिक इंटर कालेज पर प्रत्याशियो की लम्बी कतार सुबह से गेट पास के लिए लगी रही।

बिना क्रोना रिपोर्ट के ड्यूटी नहीं कर पाएँगे एजेंट

प्रखर आजमगढ़। खण्ड विकाश अधिकारी बिलरियागंज प्रियंका सिंह ने बताया कि मतगणना के दिन जितने भी मतगणना एजेंट व प्रत्यासी हैं मतगणना के समय सबको अपने साथ क्रोना रिपोर्ट लेकर आना अनिवार्य है जिन लोगोने अपनी जांच नही कराई है वह लोग अपनी जांच अति शीघ्र करालें अन्यथा रिपोर्ट के अभाव में ऐसे लोगों को मतगणना में प्रवेश नही दिया जाएगा जिनके पास क्रोना की जांच रिपोर्ट नहीं होगी।

श्री कृष्णा फाउंडेशन ने समाज के हित के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सांसद को सौंपा

प्रखर लखनऊ। श्री कृष्णा फाउंडेशन(समाज सेवी संस्था) ने समाज के हित के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन मा० श्री सांसद कौशल किशोर को सौंपा। संस्था के अध्यक्ष श्री पवन कुमार सोनी ने कहा कि अब 18 वर्ष के अधिक के नागरिकों को कोविड वैक्सीन लगाई जायेगी जिसके लिए सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ क वहीँ दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए बताना चाहता हूँ कि जो भी व्यक्ति वैक्सीन लगवाने का आवेदन करने के उपरान्त चिकत्सालय जाता है मेडिकल टीम उसे वैक्सीन लगा देती है परन्तु यह जानने की जरुरत नहीं समझती की वह व्यक्ति कोरोना संक्रमित है या नहीं जिसके कारण अधिक संख्या में मेडिकल टीम एवं कर्मचारी और नागरिकों को कोरोना जैसी महामारी से जूझना पड़ रहा है कमेरी सरकार से अपील है कि जो भी व्यक्ति वैक्सीन लगवाने चिकत्सालय जाये तो पहले उस व्यक्ति की मेडिकल टीम द्वारा एंटीजेन जांच की जाये करिपोर्ट निगेटिव आने पर ही उसको वैक्सीन लगाई जाये और जिसकी रिपोर्ट पोसिटिव आती है उसे तुरंत होम आइसोलेट होने की सलाह दी जानी चाहिए।

कोरोना के वैक्सिननेशन के लिए दिखा उत्साह

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा पीएचसी पर वैक्सिननेशन के लिए युवाओ के लिए उत्साह व भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ एच सी मौर्य को काफी मशक्कत झेलनी पड़ी।

जब सवा 12 बजे वैक्सिननेशन शुरू हुआ तो युवाओं के चेहरे पर खुशी दिखी। लाइन इतनी लंबी की अस्पताल के गैलरी के बाहर धूप में खड़े होकर लोग इंतजार करते दिखे। मोबाइल पर आए मैसेज को देखने व पोर्टल के सूची के मैच करने के बाद लोगों को प्रवेश दिया जा रहा था। अपराह्न3 बजे तक 96 लोगों को वैक्सिननेशन किया जा चुका था। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ एच सी मौर्य ने बताया कि सायँ 4 बजे तक 150 लोगों के सापेक्ष 105 लोगों को वैक्सिननेशन किया गया।

गरीबों असहायों व मध्यम वर्गीय का सरकार रखे विशेष ध्यान - विष्णु शर्मा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी वाराणसी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने कोरोना महामारी के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को गरीब,असहाय,एवं मध्यम वर्गीय लोगो पर विशेष धयान देते हुए इस महामारी में चिकित्सा व्यवस्था को व्यापक स्तर पर सुदृढ़ करने का सुझाव दिया। सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने कहा कि आज सरकार को केरल मॉडल पर काम करना चाहिए। एक वर्ष पूर्व कोरोना के केस देश के केरल राज्य से ही आये थे परंतु केरल ने वहाँ पर सारी व्यवस्थाओं को समय रहते सुव्यवस्थित कर लिया। केरल ने संक्रमित मिलने से पहले ही बुनियादी ढांचा तैयार कर लिया व निगरानी तंत्र को दुरुस्त किया, जनवरी में ही बना दी टास्क फोर्स, होटलों और हॉस्टलों में पौने दो लाख इमरजेंसी बेड बना दिये। वुहान में चल रही मेडिकल तैयारियों की पूरी जानकारी ली और उसी के अनुसार रणनीति बनाई और विश्व भर में कोरोना का केरल मॉडल प्रसिद्ध हुआ। परन्तु देश व प्रदेश की सरकारों ने इस केरल मॉडल पर ध्यान ही नही दिया। आज देश के हाई कोर्ट ने कई बार लाकडाउन लगाने के निर्देश दिए जिसे प्रदेश सरकार ने खारिज कर दिया सरकार लाकडाउन लगाने से पहले कोई वयवस्था नही बनाया। श्री शर्मा ने कहा गरीबों एवं मध्यम वर्गीय लोगो के लिए एक मुश्त रकम भी मुहैया कराए क्योंकि सभी की स्थिति अति दयनीय है, लाकडाउन के बाद गरीब और आम आदमी जो ठेला खुमचा लगाता है, छोटे दुकानदार किसी के पास खाने के लिए पैसा नही है क्योंकि व्यापार नही है, कम्प्लीट लाकडाउन लोगों को भुखमरी से मार देगा। अभी कोरोना महामारी से पूरे देश मे इमरजेंसी जैसे हालात है और जनता भी साल भर से बंदिशों में जी रही है, व्यापार ठप है, लोगों की नौकरियां गई हैं, देश मे महंगाई बढ़ी है, सभी प्रकार से देश और प्रदेश के लोग परेशान है अतः सरकार को जल्द से जल्द जनता हित मे फैसला लेना चाहिए क्योंकि आज लोगों की जान जा रही है और साथ ही देश की अर्थव्यवस्था भी गिर रही है।

120 लोगों को लगा कोरोना का वैक्सीन

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। मिजार्मुराद स्थित अति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर शनिवार को शाम चार बजे तक 120 लोगो को कोरोना वैक्सीन का टीकाकरण लगाया गया। वहाँ पर मौजूद चिकित्सक प्रभारी डॉ अजित मौर्य ने बताया कि टिका

लगवाने के लिए स्वास्थ्य केंद्र पर सुबह से महिलाओं व पुरुषों की भीड़ लगी रही। जिसमें 18 साल से 44 साल के उम्र के 80 लोगो को कोरोना का वैक्सीन लगा वही 45 साल के ऊपर के उम्र के 30 लोगो को कोरोना का वैक्सीन लगा। वैक्सीन लगवाने के लिये नवयुवक काफी संख्या में थे। कोरोना वैक्सीन लगवाने वालो में मिजार्मुराद क्षेत्र के व आसपास के गांव के लक्ष्मी शंकर पांडेय, नीलम सिंह, रमेश कुमार उपाध्याय, अभिषेक त्रिपाठी, मदन सिंह, अमरावती, रामा देवी, गीता देवी, विजय बहादुर, राधेश्याम पाठक, जीरा देवी, सुशीला सिंह, सुरेन्द्र सिंह, अजित प्रताप सिंह, सुमित समेत दर्जनों लोगों ने कोरोना वैक्सीन लगवाया।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री रविन्द्र जायसवाल को मंत्रिमंडल से बाहर विधायकी से बर्खास्त करने की मांग - शशिप्रताप सिंह सुभासपा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी मे मंत्री से जो सवाल करेगा उसका यही हाल होगा जैसा कि वाराणसी शहर उतरी के विधायक ने एक सम्मानित जनता के साथ किया। यूपी के मंत्री और शहर उतरी के विधायक रविन्द्र जायसवाल का एक आम आदमी के साथ सलूक ठीक नही, एक तो कही भी समय देकर देर से पहुंचना उनका पुरानी आदत,देरी का कारण पूछने पर आपा खो देना, जनता को मारने दौड़ना, ऐसे विधायक और मंत्री को मंत्री पद से तत्काल निकालने की मांग करता हूं यूपी के मुख्यमंत्री से कठोर मांग है ऐसे मंत्री तथा विधायक को मंत्रिमंडल तथा विधायकी से बर्खास्त किया जाय। दो बार विधायक यही जनता ने बनाया है जिसको आज मारने के लिए आक्रोशित हो रहे है, जबकि व्यक्ति अपनी बात कहने ही गया था, उसको प्यार से समझाने के बजाय सत्ता का गुरुर दिखाया। जनता कभी माफ नही करेगी ।

भाजपा महानगर अध्यक्ष विद्या सागर राय एवं किसान नेता विनय शंकर राय की माताजी को मातृ शोक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 1 मई 2021 को सुबह 2.15 पर भाजपा महानगर अध्यक्ष विद्या सागर राय एवं किसान नेता विनय शंकर राय "मुन्ना" की 85 वर्षीय माता मंझारी देवी का निधन हो गया , श्री राय की माताजी विगत एक वर्ष से अस्वस्थ थी, लगभग पन्द्रह दिन पहले माताजी के कुल्हे का आपरेशन हुआ था । आज 1 मई को सुबह 9 बजे हरिश्चन्द्र घाट पर अन्तयेस्थि हुई, मुखाग्नी छोटे पुत्र विनय शंकर राय "मुन्ना" ने किया। शव यात्रा एवं घाट पर भाजपा प्रदेश सह प्रभारी सुनील ओझा, मंत्री नील कण्ठ तिवारी , विधायक सौरभ श्रीवास्तव , जगदीश त्रिपाठी , आलोक श्रीवास्तव, गगन प्रकाश यादव, दिलीप मिश्रा , मधुप सिह, मधुकर चित्रान्श सहित इत्यादि लोग श्द्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धान्जली दिये। माता जी चा पुत्र चार बहु , दो पुत्रियो सहित हरा भरा परिवार छोडकर अंतिम सास ली। पूर्व सान्सद महाबल मिश्रा , पूर्व मन्त्री एवं राज्य सभा सदस्य डा अखिलेश प्रसाद सिह सहित अनेको लोगो ने फोन पर शोक संवेदना व्यक्त किये।

इन्दरपुर से ममता यादव निर्विरोध ग्राम प्रधान निर्वाचित घोषित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के इन्दरपुर के नाम वापसी के दिन 8 प्रत्याशियो द्वारा नाम वापस ले लिए जाने से प्रत्याशी रहे विजयेन्द्र उर्फ पप्पू यादव के पत्नी ममता यादव को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। जिससे अब वहां मतदान नही होगा। इस बाबत आरओ देवब्रत यादव ने बताया कि इन्दरपुर ग्राम सभा प्रत्याशी विजयेंद्र उर्फ पप्पू यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसके चलते वहाँ दूसरे चरण में होने वाले मतदान को स्थगित कर दिया गया था। उसी क्रम में चुनाव आयोग के निर्देश पर आगामी 9 मई को चुनाव होने के साथ 30 अप्रैल को नामांकन व एक मई को नाम वापसी थी।

किसके सिर सजेगा ताज,फैसला आज

प्रखर खुटहन जौनपुर। विगत 15 अप्रैल को हुए मतदान के बाद प्रत्याशियों व समर्थकों में पूरे दिन जीत हार की अटकलों की होड़ लगी हुई है।इस बार का त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से उपजी आशंका व भय की छाया में संपन्न हुआ।गांव की सत्ता पर कब्जा जमाने की लालसा ने कोरोना संक्रमण के खतरों को भी नजरअंदाज कर दिया। पंचायत चुनाव में कूदे प्रत्याशियों ने घर-घर पहुंचकर बिना किसी सुरक्षा के प्रचार किया।चुनावी सरगर्मी के आगे अप्रैल माह की गर्मी भी मंद पड़ गयी।प्रत्याशियों ने अपने अपने पक्ष में सियासत की विसात बिछाने में दिन-रात एक कर दिया।आरओ संजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि ग्राम विकास इंटर कॉलेज में मतगणना की सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

गंगा की मौसी कहे जाने वाली वारीगढ़ही क्षेत्र मे भाजपा सभासद ने चलाया सफाई अभियान

प्रखर रामनगर वाराणसी। 1 मई 2021 को कोविड-19 वैश्विक महामारी कोरोना वयरस के बढ़ते हुए प्रभाव को देखते हुए गंगा की मौसी कहे जाने वाली वारीढ़ही क्षेत्र में भाजपा सभासद संतोष शर्मा ने स्वयं सफाई करते हुए चलाया सफाई अभियान। भाजपा सभासद संतोष शर्मा का कहना है कि इस संकट की घड़ी में हम जो भी संभव हो सके जनता के लिए कर रहे हैं । गंगा की मौसी कहे जाने वाली वारीगढ़ही काफी गंदगी को देखते हुए ऐसा कदम उठाया गया। इस तालाब के आस-पड़ोस के घरों के अंदर सैनेटाइज कराया गया और ब्लीचिंग का छिड़काव भी साथ में कराया गया। भाजपा सभासद ने वहां पर मौजूद लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि स्वयं सुरक्षित रहें और अपने परिवार को सुरक्षित रखें लगातार माक्स का प्रयोग करते हैं।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत जांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुजरना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

इसे भी पढ़ें: एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

दो मंजिला भवन के 14 कमरों में होगी मतगणना

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक की मतगणना की तैयारी शनिवार को पूर्ण कर ली गई। इस बाबत अधिकारियों ने निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश भी दिया। विदित हो कि 14 न्यायपंचायत के 104 ग्राम पंचायतों की गिनती दो मंजिल भवन में होगी। 14 कमरों में से प्रथम तल के 6 कमरों में मंगारी, गरखड़ा, सिंधोरा, फूलपुर,अहरक व गरथवा न्यायपंचायत के गांवो की गिनती होगी। वही द्वितीय तल पर पिंडरा, परसरा, औराव, भानपुर, रसूलपुर, बाबतपुर ,अमौत व हिरावनपुर न्यायपंचायत के गांवो की गिनती होगी। बीडीओ वीके जायसवाल व बीईओ अशोक कुमार सिंह ने बताया कि मतगणना के टेबल लगने के साथ बूथवार भी चिन्हित कर दिया गया है। हिंदी के अल्फाबेट के अनुसार न्यायपंचायत के गांवो की गिनती होगी। शनिवार को मतगणना स्थल नारायणी चैलेंजर्स कान्वेंट स्कूल गंगापुर में सीओ पिंडरा अभिषेक पांडेय, बीडीओ वीके जायसवाल, आरओ देवब्रत यादव, बीइओ अशोक सिंह व इंस्पेक्टर दुर्गेश मिश्र मतगणना स्थल पर पहुचे और सुरक्षा व्यवस्था के प्वाइंट पर पर्याप्त सुरक्षा बल के साथ भीड़ को दूर करने के निर्देश दिए गए। पेयजल और शौचालय की व्यवस्था के साथ कार्मिकों के बैठने की व्यवस्था को द े ख ी । 3500 से अधिक बने पास मतगणना के लिए एजेंटो के पास बनवाने के लिए तीसरे दिन भी ब्लॉक मुख्यालय पर भीड़ लगी रही। इस दौरान 3500 से अधिक पास बनाये गए। इस बाबत आरओ देवब्रत यादव ने बताया कि भले ही इतने पास बने है लेकिन केवल उन्हीं को प्रवेश दिया जाएगा, जिसके गांव की गणना होगी।

पिंडरा में चार लोगों की मौत से दहशत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज होती जा रही है। पीएचसी पर प्रतिदिन जांच के दौरान 4 से 5 लोग पॉजिटिव मिल रहे हैं। वही प्रत्येक गांवो से किसी न किसी की मृत्यु हो रही है। शुक्रवार को पिंडरा बाजार में चार लोगों के कोरोना संक्रमण से मौत होने की जानकारी मिलते ही दहशत फैल गई। बताते हैं कि पिंडरा के बिल्डिंग मैटेरियल्स व्यवसाई विवेकानन्द आर्य और सिदार्थ नगर में प्राइमरी स्कूल में तैनात शिक्षक पीयूष पाल 40 वर्ष तथा स्वर्ण व्यवसाई विनय सेठ 45 की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके अलावा एक बुजुर्ग मोती जायसवाल 70 वर्ष की घर पर अचानक मौत हो गई। जिससे लोगों में दहशत दिखा।

पालिकाध्यक्ष मनोज जायसवाल ने संभाली सैनिटाइजेसन की कमान कहा संक्रमण से बचाव के लिये चलेगा तीन दिनों का व्यापक अभियान

प्रखर मिर्जापुर। नपाध्यक्ष मनोज जायसवाल शनिवार की दोपहर नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सैनिटाइजेसन की कमान संभाली।इस दौरान पालिकाध्यक्ष ने मुकेरी बाजार से इस व्यापक सेनिटाइजेसन का कार्य प्रारंभ किया और नगर के मार्गो और घरों को खुद किया सैनिटाइज करने का काम किया।बता दे उत्तर प्रदेश के योगी सरकार द्वारा वायरस के संक्रमण को रोकने के लिये पूरे सूबे में शुक्रवार की रात से मंगलवार की सुबह तक लॉकडाउन लगाया गया।पूरे प्रदेश भर में कोरोना की दूसरी लहर और संक्रमण को रोकने के लिये सैनिटाइजेसन का कार्य किया जा रहा है।

पालिकाध्यक्ष मनोज जायसवाल द्वारा शनिवार को नगर की सड़कों पर अपने दल-बल के साथ उतरे। जिसमे दो टैंकर,दो सैनिटाइजेसन की अत्याधुनिक मशीन एवं दस हैंडस्प्रे मशीन के द्वारा सैनिटाइजेसन का कार्य मुकेरी बाजार तिराहे से प्रारंभ किया।पालिकाध्यक्ष द्वारा नगर के मुकेरी बाजार,गुडहट्टी चौराहा,धुंधी कटरा,नबालक का तबेला,त्रिमोहानी आदि स्थानो पर स्वयं सैनिटाइजेसन किया।इस दौरान ध्वनि यंत्रो द्वारा भी नगर की जनता को लॉकडाउन का पालन और कोविड-19 के प्रोटोकॉल पालन करने की नसीहत भीं दी गयी।इस मौके पर सभासद नरेश जायसवाल,नामित सभासद अलंकार जायसवाल,जलकल अभियंता सुधीर कुमार वर्मा,कार्यक्रम प्रबंधक संजय सिंह,देवेंद्र बहादुर सिंह,नंदकिशोर शर्मा,दिनेश शर्मा,मंगल एवं स्वच्छ भारत मिशन की टीम मौजूद रही।

अनियंत्रित बोलेरो पेड़ से टकराई पांच घायल

प्रखर मिजार्पुर। मडिहान थाना क्षेत्र के पटेहरा कला स्थित लालगंज कलवारी संपर्क मार्ग पर शनिवार की दोपहर तेज रफ्तार आ रही बोलेरो बाइक सवार को बचाने में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई जिससे बोलेरो सवार पांच लोग घायल हो गए स्थानीय लोगो जे सहयोग से पीएचसी पटेहरा में प्राथमिक उपचार कराया गया। लालगंज थाना क्षेत्र के भेड़ा चौका दुबार निवासी चालक महेंद्र 45 वर्ष अपने पत्नी व परिवार के साथ अमोई अपने ससुराल शादी में जा रहा था पटेहरा पाल बस्ती के सामने पहुंचा ही था कि सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने में बोलेरो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई जिसमें चालक महेंद्र व पत्नी शुशीला 40 वर्ष, पुत्री सुनीता 5 वर्ष, प्रतिमा 30 वर्ष, संदीप 10 वर्ष घायल हो गए । बोलेरो में एक ही परिवार के कुल 10 लोग सवार थे जिसमें पांच घायल हो गए ।

संक्षिप्त खबरें

एमएलसी संतोष यादव सनी ने कोरोना संक्रमितों की मदद के लिए 60 लाख की सहायता राशि

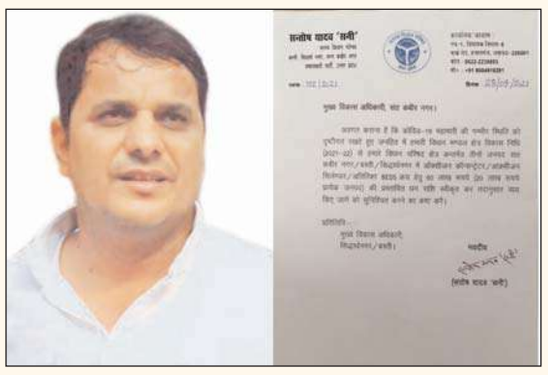

प्रखर सन्तकबीरनगर। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता व बस्ती मंडल एमएलसी संतोष यादव "सनी" ने अपनी निधि से 60 लाख रुपये की धनराशि कोरोना संक्रमितों के इलाज करने के लिए अवमुक्त किया है।संसाधनों की कमी के चलते कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज में आ रही दिक्कत को देखते हुए एमएलसी सन्तोश यादव सन्नी ने यह फैसला लिया है। उन्होंने अपनी निधि से 20 लाख संतकबीरनगर, 20 लाख बस्ती तथा 20 लाख सिद्धार्थनगर जिले को दी है जिससे कोविड मरीजों का इलाज हो सके। एमएलसी संतोष यादव ने कहा है कि इस निधि से वेंटीलेटर, ऑक्सीजन और जीवन रक्षक दवाएं खरीदी जाएं। इसके लिए उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भी लिखा है। मुख्य विकास अधिकारी को लिखे पत्र में एमएलसी सनी ने कहा कि बस्ती परिक्षेत्र के तीनों जनपदों क्रमशः 20-20-20 लाख रु कोविड मरीजो के इलाज में खर्च किये जायें। एमएलसी सनी ने कहा कि वैश्विक महामारी के इस दौर में सभी समाजवादी साथी लोगों की मदद कर रहे है जो प्रशंसनीय है।उन्होंने कहा कि आगे और जरूरत पड़ने पर और धनराशि इलाज के लिए दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने पिंडरा विधायक से की बात, दिए निर्देश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सायंकाल में पिंडरा विधायक डॉ अवधेश सिंह से टेलीफोन से वार्ता कर वाराणसी व और पिंडरा विस् क्षेत्र का हाल जाना। इस दौरान विधायक ने मुख्यमंत्री के समक्ष कई मांगे रखी। प्रदेश के कई विधायको के वार्ता के क्रम में गुरुवार को सायँ 4 बजे टेलीफोन कर मुख्यमंत्री ने विधायक से ऑक्सीजन की उपलब्धता और कोरोना संक्रमण की स्थिति के बारे में जानकारी ली। 8 मिनट तक हुई वार्ता के दौरान विधायक ने क्षेत्र के जच्चा बच्चा केंद्र, सीएचसी व पीएचसी पर भी वेंटिलेटर व ऑक्सीजन की व्यवस्था करने के साथ गांवो में सेनेटाइजर की व्यवस्था पर जोर देने का आग्रह किया। जिसपर मुख्यमंत्री ने आश्वसन दिया और एक मई से शुरू होने वाले 18 वर्ष से ऊपर के लोगों को वैक्सिननेशन के लिए जागरूक करने के साथ कोविड से संक्रमित लोगों को सरकार द्वारा मिलने वाली हर सुविधा को दिलाने के निर्देश दिए। विधायक ने गांव में संक्रमण के बाबत हुए मौत के बाबत जानकारी दी। जिसपर उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए सभी से ज्यादा से ज्यादा घरों में कोविड गाइड लाइन के तहत रहने की अपील की।

मतगणना की तैयारी हुई पूर्ण न्याय पंचायत वार लगेंगे टेबल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर आगामी दो मई से होने वाली पिंडरा ब्लॉक की मतगणना गंगापुर स्थित कान्वेंट स्कूल में होगी। जिसकी तैयारियां शुक्रवार को शाम तक पूर्ण कर ली गई। पिण्डरा ब्लॉक के आर ओ देवब्रत यादव ने बताया कि ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य व ग्राम पंचायत सदस्य पद के मतगणना के लिए न्यायपंचायत वार 14 काउंटर बनाए जाएंगे। हर न्यायपंचायत में एक साथ चार टेबल लगेंगे । जिसमे एक समय चारो पद के मतपत्र की गणना होगी। प्रत्येक न्यायपंचायत में गांव के नाम के हिन्दी अल्फावेट के अनुसार मतगणना होगी। कोरोना बचाव के मानक का पालन किया जाएगा। थर्मल स्कैनिंग व ऑक्सीजन लेबल के बिना किसी को मतणना स्थल में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। काउंटर समेत बैरकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल वयस्था, विद्युत व्यवस्था, शौचालय आदि की व्यवस्था पूर्ण दिखी।

इन्दरपुर से एक भी नहीं हुए नामांकन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक के इन्दरपुर ग्राम में प्रत्याशी के मौत के बाद 9 मई को होने वाले मतदान के लिए शुक्रवार को पूरे दिन कर्मचारी इंतजार करते रहे लेकिन कोई भी नामांकन करने नही पहुचा। जिससे पूर्व में नामांकन किये 9 प्रत्याशी ही मैदान में होंगे। आरओ देवब्रत यादव ने बताया कि सायँ 5 बजे तक कोई भी नामांकन करने नही पहुचा। जिससे पूर्व में नामांकन किए प्रत्याशी ही दावेदार होंगे। विदित हो कि नामांकन के बाद 10 अप्रैल को रात्रि में प्रत्याशी विजयेंद्र कुमार उर्फ पप्पू यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसपर नामांकन होने के कारण वहा ग्राम प्रधान पद के लिए होने वाले चुनाव को स्थगित कर दिया गया था और जिला पंचायत , बीडीसी व ग्राम पंचायत सदस्य के लिए बूथ बना था और पोलिंग पार्टी भी पहुची थी लेकिन ग्रामीणों ने हत्या के आक्रोश में मतदान का बहिष्कार कर था।

युवा व्यवसायी राहुल गुप्ता लेकर आये फूडीज जो उच्च गुणवत्ता के साथ आम आदमियों के बजट में होगा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कोरोनाकाल मे हो रही परेशानियों को देख युवा व्यवसायी राहुल गुप्ता लेकर आये फूडीज जो कि उच्च गुणवत्ता के साथ-साथ आम आदमियों के बजट में होगा। कोरोना काल मे मिलावट खोरो का भी बोल बाला है जिसके कारण लोगो के पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। कारण था कि गुणवत्ता के नॉमर्ल पैंकिग में बेचा जा रहा था खाद्यय सामग्री फूडीज के प्रोपराइटर राहुल गुप्ता ने बताया की कोरोना के समय में समान लेने लिए एक जनरल स्टोर पर पे खड़ा था। और देखा कि दुकानदार नार्मल बोरे जे माल निकालकर पैंकिग उसे मंहगे दामो में बेच रहा था न ही उसकि कोई मानक था,न ही गुणवत्ता थी कोरोना काल मे माल की खपत भी अधिक हो रहा था। उसी समय मेरे मन मे एक विचार आया क्यो न हम एक फर्म खोले जिससे की शुद्ध औ? सस्ते पर रसोई का सामान लोगो तक पहुँचे जिससे कि किसी अन्य बीमारी से लोग ग्रसित न हो तभी मैने फर्म खोलने का निश्चय किया। जो भी फर्म घरेलू सामान निकालते है वो खुद को माल को

शुद्ध ही कहते है इस पर आप का क्या कहना है कि आप की बात बिल्कुल सही है मगर ये फैसला तो हम औ? आप तो नही कर सकते इसको तो उपभोक्ता ही करेंगे मेरे शुद्धता पर विशेष ध्यान रहेगा क्योंकि मुझे जो प्रेरणा मिली है मिलावट खोरो के खिलाफ खड़े होने और आम जन मानस के हित में काम करने निश्चय किया इसलिए मैं हमेशा शुद्धता को बरियात देते हुए उचित दाम पर होगा जो आम उपभोक्ता उसे खरीद सके। कोरोना काल मे फूडीज फर्म खोलने में किस तरह की समस्याओंका सामना करना पड़ा उन्होंने बताया की जब कोई व्यक्ति कोई नया कार्य शुरू करता है तो पहले मुश्किलो का सामना तो करना ही पड़ता है कोरोना काल का समय है तो मुश्किल भी दुगनी हो गयी मगर मुश्किल को दर किनारें कर फूडीस फर्म चालू किया है उन्ही ही मुश्किलो के चलते अभी रसोई का सामान आम जनता तक नही पहुँच पा रही है जल्द ही सरकारी निदेशों का पालन कर मार्गेट में लाएंगे अभी मार्केट में सभी प्रकार के आटा, दाल,व चावल, ड्राई फूड आ चुका है। जे..के फूडीस फर्म टोल फ्री नंबर 18005723750 ।

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को देखते हुए स्वयं हो जागरूक : मोहम्मद ओवैस

प्रखर संतकबीरनगर। समाजवादी पार्टी कद्दावर नेता व मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के निवर्तमान प्रदेश सचिव मोहम्मद ओवैस ने जनपद वासियों से अपील किया है कि बहुत जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकले उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण बहुत तेजी से बढ़ रहा है जिस से बचने के लिए हम सभी लोग माक्स सेनीटाइजर का प्रयोग जरूर करे व दो गज की दूरी का पालन करें बार-बार साबुन से हाथ धोए और बुखार व खासी आने पर डॉक्टर से तुरन्त सलाह ले। एक सवाल के जवाब मे सपा नेता ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए आम जनमानस माक्स व सेनेटाइजर का

प्रयोग जरूर करे जिससे अपने परिवार व आमजन की सुरक्षा किया जा सके। ज्यादा से ज्यादा जागरूकता फैलाएं समस्या का समाधान उपलब्ध करवाए और कही से भी भय या डर का माहौल ना बनायें। घर से बाहर निकले और मास्क या गमछे से मुंह ढककर रखें, सैनिटाइजर का उपयोग करे, संक्रमित व्यक्ति से दूर रहे। उन्होंने ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के पास को कोरोना से लड़ने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। आज समाजवादी पार्टी द्वारा दी गई एंबुलेंस का लाभ मरीजों को मिल रहा है जिससे मरीज अस्पताल पहुंच पा रहे है भारतीय जनता पार्टी ने एक वर्ष बीत जाने के बाद भी कोविड से बचने का कोई उपाय नहीं कर पाया।

सिंधोरा धरसौना मार्ग निर्माण में हो रही भारी लापरवाही स्थानीय प्रशासन मौन

प्रखर विशेष/ वाराणसी। सिंधोरा धरसौना सड़क निर्माण कार्य में लगी कार्यकारी संस्था के द्वारा घोर लापरवाही बरती जा रही है कहीं-कहीं रोड पूरी तरह से ब्लॉक कर उतारे जा रहे मटेरियल ट्रक चालकों बता दें की पूरी तरह से जर्जर हो चुकी सड़क का निर्माण कार्य करा रही संस्था के कर्मचारियों व जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही आपको इस मार्ग पर हो रहे निर्माण में साफ-साफ दिख जाएगी ट्रक ड्राइवरों की

मनमानी का आलम यह है कि तरह को पूरी तरह से घेरकर निर्माण सामग्री उतारते हैं जिससे अन्य वाहनों को आने जाने में घोर कठिनाई का सामना करना पड़ता है साथ-साथ उड़ रहे डस्ट के गुबार से लोग और भी परेशान हो रहे हैं जिससे भविष्य में समस्याएं और भी जटिल होने की संभावना है स्थानीय प्रशासन का भी ध्यान इधर नहीं जा रहा सिंधोरा थाने से कुछ दूरी पर सोशल डिस्टेंसिंग व महामारी अधिनियम का खुलकर मजाक उड़ाया जा रहा है लेकिन स्थानीय प्रशासन कुंडली मारे बैठा हुआ है।

की मनमानी का जीता जागता उदाहरण है जिससे आम जनमानस त्रस्त है दिन में ट्रकों से उतारी जा रही निर्माण सामग्री के चलते डस्ट का अंबार उड़ता रहता है जिससे आने जाने वाले राहगीरों को अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ता है सही तरह से कहा जाए तो महामारी अधिनियम का खुलकर मजाक उड़ाया जा रहा है। जानकारी के लिए

कार के धक्के से बालिका घायल हालत गंभीर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के मरूई गांव में भोजूबीर - सिंधोरा मार्ग पर शुक्रवार को दोपहर में एक कार के धक्के से 10 वर्षीय बालिका रिया पटेल घायल हो गई। गंभीरावस्था में उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि फूलपुर के प्रमोद पटेल की पुत्री अपने माँ के साथ ननिहाल मरूई आयी है। कुछ सामान लेने दुकान जा रही थी तभी पीछे से आ रही स्विफ्ट कार ने जोरदार धक्का मार दी। जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे सिर व हाथ पैर में चोट आई। वही घटना के बाद चालक कार लेकर भाग गया। वही घटना से नाराज ग्रामीणों ने थोड़ी देर के लिए उक्त मार्ग को जाम कर दिया। सिंधोरा इंस्पेक्टर रमेश यादव के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए। वही पुलिस ने तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

अज्ञात लोगों ने तालाब में डाला जहर मछलियां मरी

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत खाजगीपुर कंचनपुर गाँव के एक तालाब में अराजक तत्वो के द्वारा जहरीला पदार्थ डाल दिया गया जिससे तालाब की पूरी मछलियां मरकर ऊपर आ गयी।तालाब संचालक धर्मेंद्र सिंह ने बताया अपने जमीन में तालाब बनवाया था और शौख के चलते मछली का पालन किया था किंतु कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा पूरे तालाब में जहर डालकर मछलियों को मार दिया गया।मछलियों के मरने से पूरे तालाब व आसपास बदबू फैल गया था।सूचना के बाद मौके पर पहुँची अहरौरा पुलिस ने सभी मृत मछलियों को गढ्ढा खोदकर दफनवा दिया।तालाब स्वामी ने करीब एक लाख रुपये का नुकसान बताया है।

कोविड चिकित्सालयों को बेड व आक्सीजन की स्थिति की जानकारी गेट पर करनी होगी चस्पा

प्रखर मिजार्पुर। कोविड--19 के बढ़ते संक्रमण के बीच उपचाराधीनों की संख्या में भी हर रोज इजाफा हो रहा है। इस परिस्थिति को देखते हुए कोविड-19 के तहत उपचाराधीनों की भर्ती प्रक्रिया में विभाग ने बदलाव किया है। इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. पी0डी0गुप्ता ने जिले के सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों व कोविड चिकित्सा के प्रभारियों को पत्र के माध्यम से सूचित किया है। पत्र में कहा गया है कि वर्तमान व्यवस्था के अन्तर्गत कोरोना पाजिटिव की सूचना कोविड - 19 के कमांड सेन्टर में प्राप्त हो रही है । जहां से चिकित्सकों द्वारा उपचाराधीनों से बातचीत करने के बाद यह निर्णय लिया जाता है कि उन्हें होम आइसोलेशन में रखा जा सकता है कि नहीं। कोरोना नोडल अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अजय ने बताया कि प्रदेश स्तर से मिले निर्देश के क्रम में यह संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। इसमें जिले के कोविड 19 के निजी चिकित्सालयों को अब कोरोना पाजिटिव की संख्या को विभाग के पोर्टल पर अंकित कराना होगा। इसके साथ ही साथ आरक्षित किये गये बेड व आक्सीजन की जानकारी गेट के बाहर जनसामान्य के लिए प्रतिदिन चस्पा करनी होगी । इसकी सूचना कोविड कमांड सेंटर के पोर्टल पर भी उपलब्ध करानी होगी । इसके अलावा मंडलीय चिकित्सालय स्थित एल-1 व एल-2 में 90 फीसदी बेड कोविड कमांड सेन्टर के माध्यम से आवंटित किये जायेंगे, बाकी के 10 फीसदी बेड चिकित्सालय के प्रशासन द्वारा दिये जा सकते हैं।

पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

प्रखर संतकबीरनगर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव 78 वर्ष की आयु में शुक्रवार को अचानक मौत हो गई ।पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव की मौत की सूचना सोशल मीडिया पर जैसे ही प्रसारित हुए सभी राजनीतिक दल के नेता व्यापारी व आम जनमानस में शोक की लहर दौड़ गई हर कोई पूर्व सांसद की मौत से दुखी दिखा। बताते चलें कि सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव 1996 में लोकसभा क्षेत्र खलीलाबाद से सांसद चुने गए थे ।अपने सरल स्वभाव एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के बदौलत जो पहचान राजनीति व समाज में बनाई थी वह काबिले तारीफ रहा है, पूर्व सांसद के समर्थकों में उनकी मौत से मातम सा छा गया। पूर्व सांसद अपने पीछे दो बेटे अमिताभ यादव मुन्ना व आलोक यादव उर्फ सोनू व तीन लड़की छोड़कर दिवंगत हो गए।जानकारी के अनुसार पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव विकास क्षेत्र खलीलाबाद के बेलौली के मूलतः निवासी रहे पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव का दाह संस्कार गांव पर ही बड़े बेटे अमिताभ

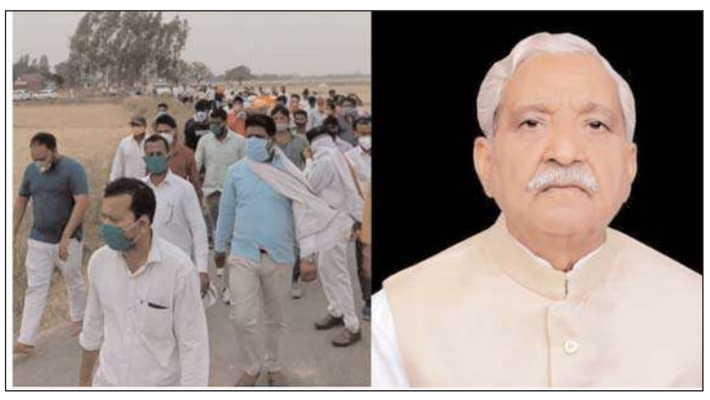

यादव उर्फ मुन्ना ने मुखाग्नि दिया है।पूर्व सांसद के मौत की खबर से पूर्व विधायक अब्दुल कलाम ने कहा कि हम सभी ने सपा का एक सच्चा सिपाही खो दिया।भाजपा जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव ने कहा कि पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव ने जनपद के एक मिसाल रहे उन्होंने अपनी सरलता के बदौलत सभी का दिल जीत लिया था।श्री यादव ने कहा कि उनकी भरपाई करना समाज हित में संभव नहीं है।सपा के वरिष्ठ नेता व मेहदावल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी जय राम पान्डेय ने कहा कि पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव के निधन से पार्टी की व मेरी व्यक्तिगत क्षति हुई है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। सपा एमएलसी संतोष यादव सनी ने कहा कि पूर्व सांसद सुरेंद्र यादव की मौत से गहरा सदमा लगा है सपा एमएलसी ने कहा कि पूर्व सांसद की भरपाई करना संभव नहीं है।शोक सभा व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष गौहर अली खान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष लोरिक यादव, राम दरस यादव, निवर्तमान ब्लाक प्रमुख मनोज राय, बहुजन समाज पार्टी के युवा नेता खलीलाबाद विधानसभा प्रभारी सुबोध चंद यादव, इसहाक अंसारी, राजमन यादव, नित्या नन्द यादव, बसपा नेता इंदल यादव, पूर्व विधायक अलगू प्रसाद चौहान, पूर्व राज्य मंत्री पप्पू निषाद,युवा सपा नेता राहुल यादव बादल,दानिश खान,राजेन्द्र यादव,रमेश चन्द्र यादव, बसपा नेता अशोक चौधरी,सपा नेता बल्लू नेता, प्रदीप सिंह सिसोदिया, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि बघौली राम आशीष,सन्त यादव,अजीत सिह यादव,समेत तमाम लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

कोरोना को हराना है-हमने वैक्सीन लगवाया, आप भी जरूर लगवाएं : जान्हवी सिंह

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। एडिशनल पीएचसी मिजार्मुराद पर शनिवार को गौर गांव (मिजार्मुराद) निवासिनी बीएचयू

में स्नातक की पढ़ाई कर रही एनसीसी से जुड़ी छात्रा जान्हवी सिंह (19 वर्ष) ने पहुंच कर कोरोना वैक्सीन लगवाई।विश्व बाल दिवस पर एक दिन के लिए मिजार्मुराद थाना का प्रभारी बनी जान्हवी सिंह ने बताया कि कोविड टीकाकरण हेतु गुरुवार को उसने मोबाइल से पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की थी।कोरोना को हराने हेतु 18 वर्ष के ऊपर के सभी लोग पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा टीकाकरण जरूर कराएं। टीकाकरण कराने के साथ ही मास्क लगा सरकार की गाइडलाइन का पालन करे। वैक्सीन को लेकर छात्रा में काफी उत्साह रहा।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं